सभी फसलों पर जीवाणुजन्य बीमारियोंका जैविक नियंत्रक

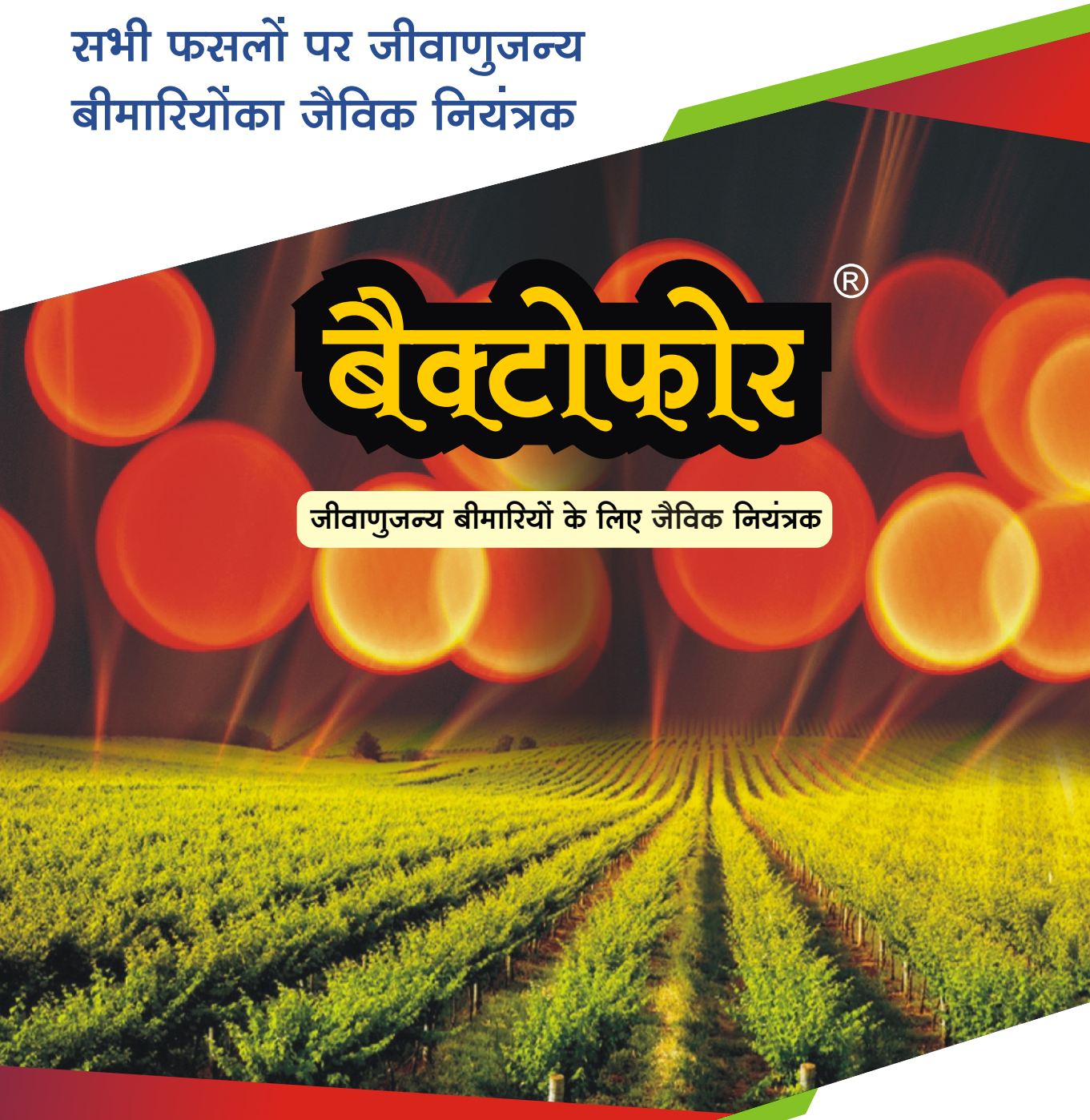

बैक्टोफोर®

जीवाणुजन्य बीमारियों के लिए जैविक नियंत्रक

उत्पादक :

अजिंक्य केमटेक प्रा. लि.

स.न. १३७, देवाची उरुळी, ता. हवेली, जि. पुणे

Customer Care No.: 020 25677605

ISO 9001:2015 ✦ ISO 14001:2015 ✦ ISO 45001:2018

बैक्टोफोर®

जीवाणुजन्य बीमारियों के लिए जैविक नियंत्रक

बैक्टोफोर क्या है?

बैक्टोफोर यह एक बहुपयोगी अंतरप्रवाही बैक्टीरिया नियंत्रक है, जो अधिकतर बैक्टीरिया संबंधी रोगो को असरदार तरीके से नियंत्रित करता है।

बैक्टोफोर का कार्य और विषेषताएँ।

- प्रोफिलेक्टिक उपचार के रूप में बिमारी आने से पहले बैक्टोफोर का इस्तेमाल करने पर यह पौधों मे ऐसा बदलाव लाता है जिससे बैक्टीरिया की बिमारी पौधों में नही फैलती। बैक्टोफोर नाइट्रोजन और एंजाइम की मात्रा में परिवर्तन लाकर पौधों की प्रतिकारक प्रणाली में बदलाव लाता है और बैक्टीरिया के हमले का सामना करने के लिए पौधों मे प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
- बैक्टोफोर, बैक्टीरिया नियंत्रक के अलावा कीट रोधक का भी काम करता है।
- बैक्टोफोर प्रोफिलेक्टिक और क्यूरेटिव छिड़काव दोनो तरीके से इस्तेमाल किया जा सकता है।
- बैक्टीरिया संबंधी रोगों की शुरूआत में ही बैक्टोफोर का इस्तेमाल ज्यादा प्रभावशाली होता है।

बैक्टोफोर का उपयोग निम्नलिखित फसलो पर असरदार है।

फसल	रोग	बैक्टोफोर इस्तेमाल करने का तरिका
टमाटर	पत्ती और फल पर धब्बे	पहला छिड़काव बुवाई के २० दिन बाद। दूसरा छिड़काव रोपन के ३० दिन बाद। तिसरा छिड़काव फल लगने पर आवश्यकता नुसार।
मिर्च	पत्तीयों पर धब्बे	पहला छिड़काव बुवाई के २० दिन बाद। दूसरा छिड़काव रोपन के ३० दिन बाद। तिसरा छिड़काव मिर्च लगने पर आवश्यकता नुसार।
वेलवर्गीय	बैक्टिरियल	१५ दिनो के अंतराल में छिड़काव दोहराए। पत्तों के धब्बेपहला छिड़काव बुवाई कें ३० दिन बाद करे।
आलू	सौफ्ट रौट	कटे हूए आलू के टूकडों को बीजने से पहले आधे घंटे तक घोल मे डूबाये। पहला छिड़काव बीजने के २० दिन बाद दूसरा छिड़काव पहले छिड़काव के १५ दिन बाद।
धान	पत्ती झूलसा	६० किलोग्राम बीजों को धोने से पहले २ घंटे तक भिगोये। नई पौधों को रोपने से पहले पूरी तरह घोल मे डूबोये व रोपन के १५ दिन बाद अवश्य छिड़काव करे। पहला छिड़काव धान की शुरूआती अवस्था मे। दूसरा छिड़काव दाने पकने के २० दिन पहले।
सेब	बैक्टिरियल झूलसा	हरे सिरे आने की अवस्था में छिड़काव शुरू करे और अखरोट आकार की अवस्था तक १५–२० दिनो के अंतराल मे छिड़काव करें।
अनार	पत्तों पर धब्बे	छटनी के बाद पहली बार पत्तिया दिखने पर छिड़काव शुरू करें। २० दिनों के अंतराल पर २–३ बार छिड़काव दोहराए।

मात्रा : ६० लीटर पानी में ३० ग्राम दवा घोल कर उसका छिड़काव करे।

पैकिंग : २० ग्राम, ५० ग्राम.